मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 7

MTT-055

अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (संशोधित)

(पी. जी. डी. टी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

एम.टी.टी.-055 : अनुवाद : साहित्य और जनसंचार

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रश्न संख्या **1** से **6** तक किन्हीं **चार** के उत्तर लगभग **750** शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रश्न संख्या **7** तथा **8** अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों के अंक उनके समक्ष दिए गए हैं।*

---

1. कथा साहित्य के अनुवाद की चुनौतियों पर सोदाहरण प्रकाश डालिए। 15

2. आलोचनात्मक लेखन की अवधारणा की चर्चा करते हुए आलोचनात्मक लेखन के अनुवाद से जुड़े मुद्दों की विवेचना कीजिए। 15

3. तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन में अनुवाद की भूमिका की चर्चा कीजिए। 15

4. जनसंचार के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य पर प्रकाश डालिए। 15

5. सबटाइटलिंग का अर्थ समझाते हुए इसके अनुवाद की तकनीक और चुनौतियों की चर्चा कीजिए। 15

6. सामुदायिक मीडिया क्या है? सामुदायिक मीडिया में अनुवाद की उपयोगिता का वर्णन कीजिए। 15

7. निम्नलिखित में से किसी **एक** अनुच्छेद का हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 20

Growing up disabled, you get fed up with people asking you to be brave, as if you have a courage account on which you are too lazy to draw a cheque. The only thing that makes you stronger is seeing somebody like you, achieving something huge. Then you know how much is possible and you reach out further than you ever thought you could." "I haven't been brave," said his disembodied computer-voice, the next afternoon. "I've had no choice." Surely, I wanted to say, living creatively with the reality of his disntegrating body was a choice ? But I kept quiet, because I felt guilty every time I spoke to him, forcing him to respond. There he was,

tapping at the little switch in his hand, trying to find the words, on his computer with the only bit of movement left to him, his long, pale fingers. Every so often, his eyes would shut in frustrated exhaustion. And sitting opposite him could feel his anguish, the mind buoyant with thoughts that came out in frozen phrases and sentences stiff as corpses.

अथवा

Delhi Capitals head coach Ricky Ponting said the move would almost negate the need for all-rounders. "This rule almost negates the role of allrounders," Delhi Capitals head coach and former Australia captain Ricky Ponting said. "Unless they are absolutely world class, and are getting picked either as batsman or bowler, not sort of bits and pieces guys, I don't think we will see many teams this season who actually use all-rounders that might bat at No. 7 and bowl an over or two.

The England all-rounder became the most expensive ever buy in the players' auction in December by returning to Punjab Kings for 185 million Indian rupees ($2.25 million).

In another important change, a time penalty has been introduced to control over rates. Like in international T-20 and one-day international cricket, the number of fielders outside the

30-yard circle will be reduced if the fielding team fails to finish its overs in the stipulated time.

The IPL will also break new ground in terms of its broadcast. For the first time in Indian cricket, there wilt be two different broadcasters involved in taking the action to audiences. Disney Star retained television rights for the 2023-2027 period and Viacom18 entered into the market with digital rights for the same five-year cycle in deals that were worth about $6 billion for the Board of Control for Cricket in India, which runs the IPL. Top Indian players Rishabh Pant (Delhi), Jasprit Bumrah (Mumbai) and Shreyas Iyer (Kolkata Knight Riders) are missing the IPL this year due to injury, while England batsman Jonny Bairstow (Punjab) is still recovering from surgery.

8. निम्नलिखित में से किसी **एक** अनुच्छेद का अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए : 20

उसके कुछ दिन बाद हम लोगों को इधर पूरब की तरफ आना पड़ा। मैं वहाँ स्कूल में दाखिल हुआ और एक क्लास ऊपर चढ़ गया। बुआ मुझे भूलती न थीं। उनके खत आते थे, पर वे संक्षिप्त होते थे। माँ से मालूम होता कि बुआ अच्छी हैं और खत में और कुछ नहीं लिखा

है। बाबूजी से बुआ की चर्चा चलाता, तो वह अधिकतर चुप रह जाते थे। उनका मन सुखी नहीं था। मेरी समझ में कुछ भी नहीं आता था। मैं कहता 'बाबूजी, मुझे भेज दीजिए। मैं बुआ को ले आऊँगा।'

वह दिलचस्पी लेकर कहते 'तू जाएगा ?' लेकिन देखते-देखते वह सब दिलचस्पी लीन हो जाती और कहते 'कहाँ जाएगा तू ? मृणाल तो अपने घर की है। अपने सुख से रहे, हमें क्या।'

ब्याह के कोई आठ-दस महीने बाद की बात होगी। देखते क्या हैं कि बिना कुछ खबर दिए बुआ एक नौकर को साथ लेकर घर चली आई है। पिता इस बात से अप्रसन्न हुए। पर क्या वह प्रसन्न नहीं हुए ? माँ ने कोई नाराजगी नहीं प्रकट की। बल्कि उन्होंने तो परोक्ष में फूफा को काफी सर्द-गर्म तक कह डाला।

बुआ आई तो मेरे तो पुराने दिन ही लौट आए, पर मैं देखता कि बुआ में बहुत परिवर्तन होता जाता है। उनकी तबीयत थिर नहीं है। इस घड़ी खुश बोल रहीं तो अगली घड़ी अंधेरे में अकेले जाकर चुप पड़ जाती हैं। उनकी शारीरिक अवस्था भी ठीक नहीं थी।

अथवा

उच्चतम न्यायालय ने केन्द्र-राज्य सरकारों का सड़क सुरक्षा की ऑनलाइन निगरानी और ई-चालान की व्यवस्था को देश-भर में एकसमान बनाने का निर्देश दिया है। न्यायालय ने सड़क हादसों पर भी चिंता जताई। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डी. वाई. चन्द्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ ने उक्त निर्देश उच्चतम न्यायालय को सड़क सुरक्षा व दुर्घटना रोकने के लिए बनी पूर्व जज जस्टिस ए. एम. सप्रे की अगुवाई वाली उच्च शक्ति प्राप्त समिति की सिफारिशों पर दिए। अदालत को बताया गया कि 15 राज्यों में कुल 90 फीसदी हादसे होते हैं। इनमें उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखण्ड, उत्तराखण्ड, आदि शामिल हैं। सरकार नियम बनाएगी, जिसमें स्पीड कैमरे लगाना, सी. सी. टी. वी. कैमरा, स्पीड गन, बॉडी कैमरा तथा अन्य तकनीकों का इस्तेमाल किया जाएगा। समिति ने न्यायालय को बताया कि इस प्रावधान के बावजूद हर राज्य में सड़क सुरक्षा की निगरानी एकसमान नहीं है। वहीं, शरारती वाहन चालकों का चालान करने की व्यवस्था भी एकसमान

नहीं है। कहीं पर कागज में चालान काटे जाते हैं, कहीं इलेक्ट्रॉनिक तरीके से। वहीं, इन चालानों के भुगतान और निस्तारण की व्यवस्था भी एक जैसी नहीं है, जिससे भुगतान नहीं हो पाते।

पीठ ने कहा कि राष्ट्रोय राजमार्ग पर बढ़ते सड़क हादसों को देखते हुए केन्द्र सरकार तथा राष्ट्रोय राजमार्ग प्राधिकरण को निर्देश दिए जाते हैं कि वह प्रावधान के अनुसार फ्रेमवर्क बनाए, जिससे धारा 136-ए को लागू किया जा सके। न्यायालय ने कहा, समस्या इतनी बड़ी है कि यदि एक सामान्य आदेश दिया गया तो कहीं नहीं पहुँच पाएँगे। इसलिए पहले राष्ट्रोय राजमार्ग पर ध्यान केन्द्रित किया जा रहा है।